मम्मी पापा इतनी रात में करते क्या हैं -3

“मैं अपनी मम्मी पापा के बीच में सोता था। एक रात कुछ ऐसा हुआ जिसे मैं आज तक नहीं भुला पाया ! पापा मम्मी एक दूसरे को ऐसे चूम रहे थे जैसे किसी उत्तेजक बॉलीवुड फ़िल्म के हीरो हीरोइन सेक्स करते वक़्त चूमते है, बीच बीच में उनके मुँह से सिसकारियाँ भी निकल जाती थी। बिस्तर पर हलचल हुई और पापा मम्मी के ऊपर फिर आ गए, बोले- यार, जगह नहीं मिल रही हैं एक बार पकड़ के लगा लो ना !...”

Story By: राहुल साहू (vish4084)
Posted: Wednesday, July 1st, 2015
Categories: कोई देख रहा है
Online version: मम्मी पापा इतनी रात में करते क्या हैं -3

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मम्मी पापा इतनी रात में करते क्या हैं -3

मम्मी- आह… अम्म… थोड़ा धीरे करो ह्ह्ह्ह… उफ्फ्फ़… थोड़ा और नीचे… यहाँ… सुनो… एक बार दाना भी रगड़ दो।

उस समय मुझे नहीं पता था कि दाना क्या होता है लेकिन शायद पापा ने रगड़ा और मॉम ने अपनी टाँगें इकठ्ठी कर ली और शायद पापा का मुँह अपनी जांघों में दबा लिया।
मॉम- ऊऊओ… आह्ह्ह… म्मम्म… हो गई मैं तो… आह्ह ह… निकल गया… !!!

और ऐसा लगा कि मम्मी कांप रही हैं… मम्मी का जो हाथ मेरी तरफ था उससे उन्होंने दुपट्टे रुपी चादर को भी शायद कस के पकड़ रखा था।
ये शब्द आज भी ताज़ा हैं मेरे दिमाग में ‘आह… अम्म… थोड़ा धीरे करो ह्ह्ह्ह… उफ्फ्फ़… थोड़ा और नीचे… यहाँ… सुनो… एक बार दाना भी रगड़ दो।
ऊऊओ…आह्ह्ह्ह… म्मम्म… हो गई मैं तो… आह्ह ह… निकल गया… !!!’

और फिर बिस्तर पर हलचल हुई और पापा मम्मी के ऊपर फिर आ गए पर शायद जगह कम होने की वजह से ही वो कह रहे थे- यह अंकित भी तुम्हारे बगल में ही सोयेगा ! एक तो तुम करने नहीं देती और करने देती हो तो इसकी वजह से मज़ा नहीं आता… जल्दी जल्दी करना पड़ता है।

पापा बोले- यार, जगह नहीं मिल रही हैं एक बार पकड़ के लगा लो ना !

मम्मी बोली- पहले कंडोम तो पहन लो !
पापा- नहीं यार कंडोम से मज़ा किरकिरा हो जाता है।
मम्मी बोली- अंकित के पापा तुम्हें तो मज़ा ही नहीं आता कभी और मैं हर दूसरे महीने

प्रेग्नेंट हो जाती हूँ। अभी दो महीने पहले एबॉर्शन करना पड़ा था तुम्हारी वजह से ! अब मैं कोई रिस्क नहीं लूँगी।
मम्मी गुस्से से बोली- तुम क्या चाहते हो कि मैं इतने बड़े लड़के के सामने पेट फुला कर घुमूं ?

पापा बोले- अरे कुछ नहीं होगा !
मम्मी ने कहा- नहीं, पहले लगा लो !
पापा बोले- आज मैं नहीं लाया, आज करने दो, कल कंडोम से !

यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !
मम्मी बोली- अब एक हफ्ते नाम न लेना बिल्कुल ! अच्छा जब झड़ने लगना तो निकल लेना उसमें से !
पापा बोले- अच्छा करने तो दो अब !
मम्मी बोली- रुको… !!

और फिर ऐसा लगा कि मम्मी ने अपना हाथ अपनी जांघों के बीच में से ले जाकर पापा का लंड पकड़ के अपनी योनि के मुँह पर लगा लिया… और फिर मम्मी हल्के से बोली-
…चलो !

और फिर ऐसा लगा की मम्मी का शरीर कुछ हिला, शायद पापा अपना लिंग मम्मी की चूत में डालने की कोशिश की इस वजह से ऐसा हुआ।

मम्मी- उह्ह.. गया क्या पूरा ?
पापा- हाँ गया पूरा का पूरा, इतना चिकना जो कर दिया है तुम्हारी मुनिया को !

मम्मी- थोड़ा धीरे करना… अंकित बिल्कुल साथ लेटा हुआ है।

पापा बोले- चिंता मत करो.. इतनी चिकनी हो गई हो कि अभी निकलवा दोगी मेरा… !!

और फिर बेड पर हल्की हल्की हलचल महसूस होने लगी।
पापा धीरे धीरे धक्के लगाने लगे, जिससे उनको बहुत मज़ा आ रहा था, मम्मी की आँखें बंद थी।
बेड काफी पुराना था और इसी वजह से उसमें से 'चुर चुर' की आवाज आ रही थी।

पापा जब धक्के लगा रहे थे तो उनके मुँह से 'हू हु' की आवाज निकल रही थी जिससे मुझे महसूस हुआ कि शायद मम्मी की चूत एकदम टाइट थी और पापा को अपना लंड उसमे प्रवेश करने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही थी और टाइट चूत की वजह से ही जब पापा का लंड मम्मी की चूत में जाता तो एक अजीब सी कुच कुच कुच… की आवाज निकल रही थी।

पापा ने आखिर कह ही दिया- इतने साल हो गए हमारी शादी को लेकिन इतने साल बाद भी कितनी टाइट है तुम्हारी, जैसे सुहागरात में थी और मैंने तुम्हारी सील तोड़ी थी।
तब मुझे यह नहीं पता था कि सील तोड़ना क्या होता है।

मम्मी बोली- अच्छा अच्छा अब बातें मत बनाओ, अब करो भी ! ए जी मान जाओ अंकित जाग जाएगा… जल्दी करो… बहुत देर हो गई !
और फिर मुझे लगा कि पापा ने जबरदस्ती मम्मी की टांगों को थोड़ा सा फैलाया और धक्के तेज़ कर दिए।

मम्मी बोली- धीरे… ! …अहह… उफ़… म्मम्म हाय माँ… !!! यार धीरे करो…
पापा तेज़ सांस लेते हुए- क्यों, मज़ा नहीं आ रहा क्या… लाओ इन चूचों का रस तो पी लूँ कितने कड़े हो चुके है ये !

मम्मी बोली- इतने साल से देख रहे हो ! अभी भी मन नहीं भरा तुम्हारा… कोई भी जगह हो, ये ज़रूर खुलवाते हो… अरे बाबा रुको, मैं ही खोलती हूँ !

पापा बोले- मैं खोल देता हूँ, थोड़ा पीठ ऊपर करो !
और मैंने देखा कि पापा के हाथ मम्मी की पीठ पर उनके ब्रा के हुक को टटोलने लगे।

मम्मी बोली- खोलो न जल्दी… देर पे देर कर रहे हो।
पापा बोले- लो हो गया !
और मम्मी की ब्रा उनके कंधो से होते हुए निकाल दी।

अब एक बार फिर से पापा चूचियों पर टूट पड़े जैसे उन्हें खा डालेंगे। अब एक तरफ पापा मम्मी की चूत को अपने लौड़े से चोद रहे थे वहीं उनके हाथ मम्मी की चूचियों का मर्दन कर रहे थे उन्हें चाट और दांतों से काट भी रहे थे।

पापा किसी छोटे बच्चे की तरह मम्मी के चूचों को चूस रहे थे जिससे चुस्स चुस्स की आवाज लगातार आ रही थी।
मम्मी के हाथ पुनः पापा की पीठ पर चल रहे थे और उन दोनों के होंठ आपस में लिपटे हुए थे। ऐसा करने से उन्हें असीम आनन्द की अनुभूति हो रही थी और उत्तेजना के कारण उनके मुख से सिसकारियाँ निकल जाती थी।

हे भगवान… !!!!!! यह मैं क्या सुन रहा हूँ… मेरे मम्मी पापा मेरे साथ एक ही बेड पर हैं और मेरी ही उपस्थिति में चुदाई का प्रोग्राम चल रहा है और ये लोग यह सोच रहे हैं कि मैं सो रहा हूँ…
लेकिन एक बात माननी पड़ेगी मेरे मम्मी पापा की… कि अभी तक बड़े ही शालीन ढंग से काम चल रहा था…

मम्मी बोली- सुनो ..!! मैं फिर से होने वाली हूँ… अब कर ही रहे हो तो 5-6 झटके थोड़ी जोर से मार दो… या फिर ऐसा करते हैं कि बाथरूम में चलते हैं… वहाँ आराम से करना खड़े होकर ! यहाँ तुम्हें मज़ा भी कम आ रहा है, जगह जो कम है।
इतना कह कर वो जोर से खिलखिलाई।
पापा बोले- आज तुम भी मजे ले रही हो खूब ! किसी दिन अकेली हो तो तुम्हें नानी याद दिला दूंगा। तुम्हारा अंग अंग न तोड़ दूं तो कहना !

कहानी अगले भाग में जारी रहेगी।

vish4084@gmail.com

Other stories you may be interested in

प्यारी भाभी संग जीवन का पहला सेक्स

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम राज है. मैं गुजरात में भावनगर से हूँ. हालांकि अब मैं सूरत में रहता हूँ. यह मेरी पहली कहानी है. मुझे लिखना नहीं आता है, इसलिए थोड़ा ऊपर नीचे हो जाए, तो मुझे मेल करके जरूर […]
Full Story >>>

चुदने को बेताब मेरी प्यासी जवानी-2

मेरी सेक्स कहानी के प्रथम भाग चुदने को बेताब मेरी प्यासी जवानी-1 में आपने पढ़ा कि कॉलेज में जाते ही मेरा दिल धड़कने लगा था किसी जवान मर्द के लिए, मेरी प्यासी जवानी मेरे सर चढ़ कर बोल रही थी. […]
Full Story >>>

चुदने को बेताब मेरी प्यासी जवानी-1

दोस्तो, मेरा नाम ऋतु है, ऋतु वर्मा, सरनेम पर मत जाइए, मैं एक बंगाली लड़की हूँ। उम्र है 24 साल, लेकिन ब्रा मैं 38 साइज़ का पहनती हूँ। देखा 38 साइज़ सुनते ही मुंह में पानी आ गया न आपके। […]
Full Story >>>

गांव के देसी लंड ने निकाली चूत की गर्मी

मेरी पिछली कहानी थी भाभी के भैया को बना लिया सैंया मेरा नाम रेखा है और मैं देखने में काफी सेक्सी लगती हूँ. मैं गांव में रहने वाली देसी लड़की हूँ इसलिए यहाँ पर जगह का नाम नहीं बता सकती. […]
Full Story >>>

टीचर की यौन वासना की तृप्ति-12

इस पोर्न स्टोरी में अब तक आपने पढ़ा कि मैं नम्रता को अपने घर की खिड़की से घोड़ी जैसी बना कर उसकी गांड में लंड पेल रहा था. अब आगे : नम्रता ने अपने हाथों को खिड़की से टिकाकर अपने जिस्म […]
Full Story >>>